[श्रीमती वीणा वर्मा]

खाली करवा लिया जाये, इसका भय हमेशा बना रहता है, चूंकि महिलाओं को पहले तो सरकारी आवास मिलते ही नहीं और यदि मिल भी जाते हैं, तो स्थाई नहीं, इसलिये उन्हें इधर-उधर भटकने को मजबूर होना पड़ता है या फिर वह अपनी पदोन्नति के अवसर खो देती हैं। काम-काजी महिलाओं की देश में बढ़ती संख्या के बीच होस्टलों व आवासों की संख्या बहुत कम है और होस्टलों में उन्हें तीन या पांच साल से अधिक रहने ही नहीं दिया जाता है। उसके बाद उन्हें फिर नये सिरे से आवास की तलाश करनी पड़ती है। इन होस्टलों में तीन हजार रु० से कम आमदनी वाली काम-काजी महिलाओं को प्रवेश भी नहीं मिलता है। इसलिये पर्याप्त मात्रा में होस्टलों और आवासों के निर्माण की जरूरत है। एक आंकड़े के अनुसार वर्ष 1991 में पांच करोड़ रूपये की राशि 605 होस्टलों के निर्माण के लिये स्वीकृत की गई थी, पर संभवतः वह लक्ष्य भी पूरा नहीं हो सका। राज्यवार काम-काजी महिलाओं की तुलना में होस्टलों की सख्या निम्न प्रकार है--"मध्य प्रदेश में 3,223 काम-काजी महिलाओं पर 63 होस्टल, बिहार में 462 पर 8 होस्टल, केरल में 8,728 पर 102 होस्टल हैं" यही हालत अन्य राज्यों व राजधानी की है। इससे आप काम-काजी महिलाओं की सख्या व उनके लिए उपलब्ध आवासीय सुविधाओं का अंदाजा लगा सकते हैं। इतना ही नहीं इन कामकाजी महिलाओं के छोटे-छोटे बच्चों के लिए पर्याप्त सुविधा में क्रेचेज सुविधा भी नहीं है।

मैं एक और महत्वपूर्ण बिन्दु पर सरकार का ध्यान दिलाना चाहती हैं कि लोक सभा, राज्य सभा से रिटायड पूर्व महिला सांसदों को जब दिल्ली आना होता है तो उन्हें भी इस दिक्कत का सामना करना पड़ता है कि वह दो-तीन दिनों के लिए भी दिल्ली में कहां रहें? सरकार द्वारा ऐसी कोई सुरक्षित व्यवस्था नहीं है जहां कोई पूर्व महिला सांसद सस्ते दामों पर दिल्ली में दो-तीन दिन भी रह सके। 15 जून, 93 को आल गवर्नमेंट एम्प्लाइज की सभा में बोलते हुए राज्य मंत्री श्रीमती मारग्रेट आल्वा ने भी स्वीकार किया हैं कि महिला कर्मचारियों के लिए वाकई सरकारी मकान कम हैं। अतः मैं सरकार से मांग करती हूं कि सरकार एक उच्चधिकार प्राप्त समिति बनाकर विधवा, परित्यक्ता, शोषित व कामकाजी महिलाओं के लिए निर्धारित सस्ते आवासीय मकान, होस्टल निर्माण लक्ष्य को क्रियान्वित कराने की शीघ्र व्यवस्था करे। "राइट-टु-वर्क" की तरह कामकाजी महिलाओं के लिए सरकारी मकान व होस्टल की व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू करवाए। इसके लिए पचवर्षीय योजनाओं व बजट प्रस्ताव में अलग से राशि का प्रावधान करे। होस्टल निवास की अवधि जो नियमतः उसके लिए तीन वर्ष के लिए है, उसमें संशोधन कर उसके सरकारी आवासों की तरह स्थाई करने की नीति निर्धारित करे। सरकार महिलाओं को सस्ते दर पर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था करे और इसमें अन्य स्वायत्त सेवी संस्थानों की भी मदद ले। सरकार लोक सभा और राज्य सभा से रिटायर्ड महिला सांसदों के लिए सरकारी तौर पर होस्टलों की व्यवस्था करे। अंत में, मैं सरकार से यह मांग करती हूं कि वह कामकाजी महिलाओं को सरकारी नौकरियों के साथ-साथ आवासीय सुविधायें उपलब्ध कराने की नीति को कमाकाजी महिलाओं की सेवा शर्तों में शामिल किया जाए और उसे मूल अधिकारों में सम्मिलित किया जाए। धन्यवाद।

RE. STATEMENT BY MINISTER

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मोम अफजल (उत्तर प्रदेश) : सर, साढ़े चार बजे हैं और होम मिनिस्टर साहब का स्टेटमेंट होना था। मैं यह जानना चाहता हूं कि वह 21 तारीख का जो फायरिंग का स्टेटमेंट है आज तीन तारीख को दे रहे हैं या इलेक्शन के सिलसिले में स्टेटमेंट दे रहे हैं क्या पहले आएगा, मैं यह जानना चाहता हूं ?

†[شری محمد افضل عرف م۔ افضل: سر ساڑھے چار بجے ہیں اور ہوم منسٹر صاحب کا اسٹیٹمنٹ ہونا تھا۔ میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ وہ ۱۱ تاریخ کا جو فائرنگ کا اسٹیٹمنٹ ہے آج تین تاریخ [illegible] الیکشن کے سلسلے میں اسٹیٹمنٹ دے رہے ہیں۔ کیا پہلے آئے تھے میرا یہ جاننا چاہتا ہوں۔

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Sir, I would like to mention that if it is about the Calcutta incidents, then, Mr. Chavan went there and he should make the statement here and not a person who has not been there.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): He is a Minister...(*Interruptions*)...

SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZRY: The Minister is competent to make a statement. We are just asking...(Interruptions):...He is competenn to make a statement. We do not have any objection to that as such (44(Interruptions)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, he is a Minister in that Ministry. What is the problem?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): What is your point of order?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: It is very simple. The point of order is, in the morning we were given to understand, very categorically, by the hon. Minister of State, Mr. Margaret Alva, that Government will not refrain from making a statement; on the contrary, it is willing to make a statement and seeks support of the Opposition and other parties to find a consensus on the issues posed by the stand taken by the Election Commission. Now we are drawing to a close, the day's proceedings are coming to a close and we have no idea as to where the hon. Minister is and where the hon. Madam Minister is...(*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, let me complete.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): There cannot be a point of order when the hon. Member is speaking. ...((*Interruptions*)...So, have you finished your point?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: She is enlightening me. Let her enlighten me.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): No, I cannot give permission for her to enlighten you.

SHRIMATI JAYANTHI NATRAJAN: Sir, it is impossible. I cannot enlighten the hon. Member... (Interruptions)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, the point is, Government is not keeping its word.? I don't say that Government is violating its promise, but the Government is not keeping its word. Instead, Government is coming forward with a statement on the demonttration led by Ms. Mamata Banerjee. I appreciate the statement, but it should be made after we know as to what is happening with regard to the Election Commission. ..(Interruptions)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: This is not fair.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Secondly, it is the hon. Minister, Mr. Chavan, who had gone there...(*Interruptions*)...Now, Mr. Chavan is on record making a number of statements.

†[]Transliteration in Arabic Script.

[Shri Gurudas Das Gupta]

while coming to Calcutta and leaving Calcutta, either on ground or in air. He has made a number of statements, and that compels me to ask him questions. If the hon. Minister is not here, how can I ask him questions?...(*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): Let the Minister react to the point.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: The Minister will react. Please, I want to say something...(*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): Mr. Chavan should make the statement. He is the proper person...(*Interruptions*)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, my point of order is this. The whole morning we spent discussing about the Election Commission. It was practically a debate on the Election Commission. Whether the Government will make a statement or not make a statement, the Minister is going to deal with that. I am vitally concerned about what happened to Miss Mamata Banerjee and about the firing in Calcutta. It is not far...(*Interruptions*)

SHRI MOHAMMED AFZAL *Alias* MEEM AFZAL: You are very much worried after 13 days...(*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): Don't waste the time...(*Interruptions*)

SHRI MOHAMMED AFZAL Alias MEEM AFZAL: Are they insulting their own partymen?...(*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: What is the statement? Is it a medical bulletin on Miss Mamtas health? (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): The Minister has not yet made a statement. What are you discussing about the statement Let the Minister make the statement. Please sit down.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: You hear about what happened, There was brutal firing in West Bengal. They know what happened in West Bengal.

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद : सर, आज सुबह से जो यहां इलेक्शन के बारे में बातचीत हुई और श्रीमती आल्वा जी ने सदन को जो आश्वासन दिया, उसके बारे में गुरुदास दास गुप्त ने जो सवाल उठाया है, उस संदर्भ में मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि इस बारे में लो मिनिस्टर भारद्वाज जी आज शाम साढे पांच बजे स्टेटमेंट देंगे ।

दूसरी बात यह है कि स्पीकर्स चेंबर में एक मीटिंग चल रही है और गृह मंत्री जी वहां व्यस्त हैं । इसलिए कलकत्ता में जो फायरिंग का इंसिडेंट हुआ, उसके बारे में मिनिस्टर आफ स्टेट फार होम अफेयर्स वक्तव्य देंगे ...(**व्यवधान**)

SHRI V. GOPALSAMY: Mr. Chavan should come here and make a statement.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Mr. Chavan could go to Calcutta, but he cannot come to Rajya Sabha!

डा० अबरार अहमद : चव्हाण साहब, स्पीकर्स चेंबर में जो मीटिंग चल रही है उसमें व्यस्त हैं । इसीलिए मिनिस्टर आफ स्टेट फार होम अफेयर्स यहां मौजूद हैं और वह स्टेटमेंट देंगे ...(**व्यवधान**)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Mr. Chavan should make a statement.

SHRI V. GOPALSAMY: Mr. Chavan visited Calcutta. It is proper that he should make a statement.

डा० अबरार अहमद : यह कहना आपत्तिजनक है कि मिनिस्टर आफ स्टेट होम यहां आकर स्टेटमेंट न दें ...(**व्यवधान**) मैं इस चीज पर आपत्ति करता हूं ...(**व्यवधान**)

SHRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh): I have a point of order on this.

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Sir, please look at me also.

SHRI P. UPENDRA: You cannot prevent a Minister from making a statement. He can make a statement. Clarifications can be sought tomorrow from Mr. Chavan if he is busy today otherwise.

SHRI G. SWAMINATHAN: I stand on a different point of order.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: We must seek clarifications from Mr. Chavan. He should make a statement... (*Interruptions*)

SHRIMATI JAYANTHI NATRAJAN: They don't want to hear the statement. They know that they will be exposed.

SHRI V. GOPALSAMY: We want to expose the Home Minister... (*Interruptions*)

SHRI SUKOMAL SEN: This House has a sanctity. The Government themout wia thetaoin shrdlu cmfwyp CMFW selves promised that they would come out with a statement on the Seshan affair. Now they are coming up with a statement on Calcutta. I have no objection to it. I welcome the statement.

Dr. Abrar Ahmed says that the statement would be made at 5-30 P.M. How can this be? The BAC has not decided that the House would sit after five o'clock. For that the House must give consent. Otherwise Ministers cannot make statements after five o'clock. They cannot take away the right of the whole House. Have they taken consensus of the House that the House will sit after five o'clock? ... (*Interruptions*)

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu): No decision was taken. We got a circular today morning saying that the House would sit up to six o'clock. In the BAC meeting no decision was taken that the House would sit beyond five o'clock. The question was raised, but the Members of the BAC said, "No, unless the work is pressing, we will not sit beyond five o'clock." That was the conclusion arrived at the other day. On the basis of that, the House shoud sit only up to five o'clock. How could the circular come saying that the House would sit up to six o'clock? Who decided it? How could it be decided by anybody other than the BAC? I do not know how a statement can be made at 5-30 P.M. by the Law Minister without getting a consensus at least of the leaders of the Opposition.

SHRI V. GOPALSAMY: The Government is totally confused.

SHRI G. SWAMINATHAN: At least the leaders of the Opposition should have been called by the Chairman.

... (*Interruptions*)

(The Deputy Chairman in the Chair)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम, मुझे लगता है कि सरकार इस हाउस को केज्युअली ले रही है । पहले 6 बजे का आया, फिर साढे पांच बजे का आया । ...(**व्यवधान**) जहां तक कलकत्ता का स्टेटमेंट का सवाल है इस बात के लिए मैं जानना चाहता हूं कि 21 तारीख को जो घटना हुई,क्या होम मिनिस्टर साहब यह बताने की कृपा करेंगे..

†[]محمد افضل عرف م۔ افضل: میڈم مجھے لگتا ہے کہ سرکار اس ہاؤس کو کیجولی لے رہی ہے۔ پہلے ۶ بجے کا آیا۔ پھر ساڑھے پانچ بجے کا آیا۔ ...'مداخلت'... جہاں تک کلکتہ کی اسٹیٹمنٹ کا سوال ہے اس بات کے لیے میں جاننا چاہتا ہوں کہ ۲۱ تاریخ کو جو گھٹنا ہوئی کیا ہوم منسٹر صاحب یہ بتانے کی کرپا کرینگے

†[]Transliteration in Arabic Script.

उपसभापति : आप का पर बोल र हैं ? ...(व्यवधान)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैं जानना चाहता हूं कि कलकत्ता की फायरिंग के 13–14 दिन के बाद वह कलकत्ता किस लिए गए ? ...

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل : میں جاننا چاہتا ہوں کہ کلکتہ کی فائرنگ کے ۱۳–۱۴ دن کے بعد وہ کلکتہ کس لیے گئے۔ ...

उपसभापति : जब वह बोलेंगे तब ही पता चलेगा कि क्या करने गए ..

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम, मेरा कहना यह है कि इन्होंने कहा है कि हम इलैक्शन कमीशन के सिलसिले में स्टेटमेंट देंगे ...(व्यवधान)

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل : میڈم میرا کہنا یہ ہے کہ انھوں نے کہا ہے کہ ہم الیکشن کمیشن کے سلسلے میں اسٹیٹمنٹ دیں گے۔ "مداخلت" ...

SHRI SUKOMAL SEN: Madam, in your presence it was assured that a statement on Mr. Seshan will be made. What has happened to that statement? They cannot take the House for a ride.

उपसभापति : मैं बता रही हूं, सुनिए.. (व्यवधान) .. मैं आप को बताऊं । ..

That day when the matter of firing in Calcutta took place, Members did demand a statement from the Home Minister. Mrs. Alva promised the House...

SHRI MOHAMMAD AFZAL (*alias* MEEM AFZAL: This was not the consensus of the House. A few Members demanded.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Did I say that the whole House demanded?

SHRI MOHAMMAD AFZAL alias MEEM AFZAL: No. Not at all. The whole House did not demand.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I did not say that (*Interruptions*) Just a second please. Afzal Sahib, please. I did not make a mention just now that the whole House demanded. I said some Members demanded "Some" can be two they can be ten, they can be twenty. Right? Some Members demanded. Mrs. Alva got up and said that she would convey the sentiments of the House to the hon. Home Minister. Now, that is with regard to the statement which Mr. Sayeed is going to make.

Now, regarding the other Statement in connection with Mr. Seshan's matter, which is being raised in the House I was informed that the Minister will come. You were informed by Mrs. Alva that the Minister for Law and Justice is going to make a statement sometime in....

SHRI P. UPENDRA: The Minister for Law and Justice is the Prime Minister.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Not Prime Minister. She said Law and Justice.

SHRI P. UPENDRA: Law and Justice is held by the Prime Minister.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think the Minister of State for Law and Justice. Mr. Bhardwaj, she said. She did not say the Prime Minister. At least I do not remember. I was sitting in the Chair then. She said Mr. Bhardwaj, Minister of State for Law and Justice, is going to make a statement in the afternoon in the Lok Sabha as well as in the Rajya Sabha. Regarding that statement I have come to know that there is a meeting of the Leaders of the Opposition of the other House with the Speaker. That is the reason why...

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA (Uttar Pradesh): We are not concerned with that Housee.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. The Minister is there. (*Interruptions*)

SHRI N. E. BALARAM (Kerala): The Speaker has called a meeting with the parties. We are not concerned with it. We are not concerned about that House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You do not allow anybody to speak. This is the tragedy.

SHRI N. E. BALARAM: You cannot speak about the other House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. The Minister, who was to make a statement is busy in that meeting.

SHRI N. E. BALARAM: Don't say the Speaker has convened the meeting and all that. You say...

THE DEPUTY CHAIRAN Just a second. I have to say that the Minister is busy. Where is he busy? The Minister is busy in a meeting. That is all. In reference to that context I am saying it. O.K.

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): Am I to take it that will be no statement?

THE DEPUTY CHAIRMAN: If the House wants to sit till 5.30, fine.

SHAI N. E. BALARAM: Let us be very clear. Are we sure that there will be a statement or not? What is the position tenday?

SHRI MOTURU HANUMANTHA RAO (Andhra Pradesh): Madam Deputy Chairman, I drew the attention of the House on the 27th July, 1993 to an ghastly incident that had taken place in Amravati village, Guntur District, Andhra Pradesh wherein three women were dragged from their house and were paraded naked by Congress goondas... (*Interruptions*)...

SHRI MD. SALIM (West Bengal): The Home Minister should make a statement on the incident that has taken place in Guntur district... (*Interruptions*).

SHRI YASHWANT SINHA: Madam, shall we await the pleasure of the other House? (*Interruptions*)... Yes, that is what this House is being brought to. He said that there is only one Minister in the Government of India. When we were raising the issue, we were told that it is a Government of collective responsibility and the Minister for Civil Supplies was sitting here. He said, "I am listening to you." Now you are talking of Mr. Bhardwaj. Is there only a single-member Government? Can't somebody else make a statement?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Shall I read out what Mr. Bhardwaj has written?

SHRI YASHWANT SINHA: I am not interested in what Mr. Bhardwaj has written.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You will be interested to know about it.

SHRI YASHWANT SINHA: No. I am interested in knowing whether a statement on the CEC matter is going to be made in this House or not. The Minister for Parliamentary Affairs makes a statement and gives us an assurance and then they go back on that assurance. Is this the way to treat this House? I am most ashamed.

SHRI N. E. BALARAM: You can't treat Rajya Sabha like this. Rajya Sabha is Rajya Sabha.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) सदर साहिबा, आपके तशरीफ लाने से पहले सलीम साहब की खिदमत में अर्ज कर रहा था कि इस हाउस के लिए स्कैंड रिस्पेक्ट पैदा कर दिया गया है । एक मिनिस्टर साहब का सरकुलर आ जाता है कि वह 6 बजे अपना स्टेटमेंट देंगे हालांकि हाउस ने अभी तय नहीं किया कि टाइम एक्सटेंड करेंगे

somebody presumed, arrogated to himself the right to extend the time of the House.

इसके अलावा यहां सब्मिशन खत्म हुआ, सुबह से चल रहा था और हम उम्मीद कर रहे थे कि कोई होम मिनिस्टर यहां तशरीफ लायेंगे और जो हमने सब्मिशन रखा है उसका जवाब देंगे लेकिन किसी ने कोई जवाब नहीं दिया । साढ़े चार बजे स्टेटमेंट का सरकुलर आता है कलकत्ता की फायरिंग का । सुबह से जो अहम मामला इस हाउस में डिसकस कर रहे थे उसके लिए कोई रिएक्शन गवर्नमेंट का हम लोगों को मालूम नहीं है । अब हम को बताया जाता है कि होम मिनिस्टर साहब वहां तशरीफ रखते हैं तो यह हाउस किस लिए है ? इसका क्या मतलब है ?

This is very unfortunte. I am sorry.

मुझे माफ करें यह बहुत अफसोसजनक सूरतेहाल है ।

نیتاورودھی دل شری سکندر بخت: صدر صاحبہ۔ آپ کے تشریف لانے سے پہلے سلیم صاحب کی خدمت میں عرض کر رہا تھا کہ اس ہاؤس کے لیے اسکیڈ ریزپیکٹ پیدا کر دیا گیا ہے ایک منسٹر صاحب کا سرکولر آجاتا ہے کہ وہ ۶ بجے اپنا اسٹیٹمنٹ دیں گے حالانکہ ہاؤس نے ابھی طے نہیں کیا کہ ٹائم ایکسٹینڈ کریں گے۔

[ ] Tranaliteration in Arabic Script.

somebody yresumed, arrogated to himself the right to extend the time of the House.

اس کے علاوہ یہاں سبمیشن ختم ہوا۔ صبح سے چل رہا تھا اور ہم امید کر رہے تھے کہ کوئی ہوم منسٹر یہاں تشریف لائیں گے اور جو ہم نے سبمیشن رکھا ہے اس کا جواب دیں گے۔ لیکن کسی نے کوئی جواب نہیں دیا ساڑھے چار بجے اسٹیٹمنٹ کا سرکولر آتا ہے کلکتہ کی فائرنگ کا۔ صبح سے جو معاملہ اس ہاؤس میں ڈسکس کر رہے تھے اس کے لیے کوئی ری ایکشن گورنمنٹ کا ہم لوگوں کو معلوم نہیں ہے۔ اب ہم کو بتایا جاتا ہے کہ ہوم منسٹر صاحب وہاں تشریف رکھتے ہیں تو ہاؤس کس لیے ہے۔ اس کا کیا مطلب ہے

This is very unfortunate. I am sorry.

مجھے معاف فرمائیں یہ بہت افسوسناک صورتحال ہے۔

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : कलकत्ता फायरिंग के बारे में स्टेटमेंट ... **(व्यवधान)**

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: کلکتہ فائرنگ کے بارے میں اسٹیٹمنٹ... "مداخلت"...

SHRI MOTURU HANUMANTHA RAO: The Home Minister should make a statement on the incident that has taken place in Guntur district, Andhra Pradesh. Why has he not visited that place? Why has he not made a statement in spite of my drawing the attention of the House on the 27th July?

श्रीमती सरला दाहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) मंत्री जी ने आश्वासन दिया था ... **(व्यवधान)**

डा० अबरार अहमद : 4 बजे स्टेटमेंट के लिए कहा था मिनिस्टर साहब ने और मिनिस्टर साहब स्टेटमेंट देने के लिए यहां मौजूद हैं ।

The Minister of State for Home is here and he will make a statement.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Das Gupta, just a minute. Let me read out what Mr. Bhardwaj has written. I quote:

"I may kindly be allowed to make a statement in this Housee today, the 3rd August, 1993 at 5 o'clock on the order dated 2nd August, 1993 of the Chief Election Commissioner suspending the activities for holding elections in the country."

This is the letter written to the Chairman which I have received... (Interruptions).

SHRI G. SWAMINATHAN: Madam, how is it that we are sitting beyond 5 o'clock? Nobody has decided to sit beyond 5 o'clock.

SHRI MD. SALIM: Madam, it is already 5 o'clock... (Interruptions)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: If the Members do not want to sit after 5 o'clock? ..(Interruptions)...

SOME HON. MEMBERS: No.

डा० अबरार अहमद : सुबह से जिस बात पर चर्चा कर रहे हैं इलैक्शन कमीशन के ऊपर उसके ऊपर मिनिस्टर साहब स्टेटमेंट देने को तैयार हैं लेकिन ये हाउस बढ़ाने के लिए तैयार नहीं हैं ।

उपसभापति : पी० एम० सईद, आप बोलिए । ..(व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम : महिलाओं के सम्मान की बात थी ...(व्यवधान)

[شری محمد سلیم : سہیلاؤں کے سمان کی بات تھی ... "مداخلت"...]

THE DEPUTY CHAIRMAN: I read out Mr. Bhardwaj's letter. I cannot do anything beyond that. (*Interruptions*)...

SHRI SUKOMAL SEN: Take the sense of the House. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will take the sense of the House when the time comes. Still, it is not 5 o'clock. Till that time, let him make the statement.

STATEMENT BY MINISTER

Police Firing in Calcutta on 21st July, 1993

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. M. SAYEED): Madam, on behalf of my senior colleague, I beg to make this statement. (*Interruptions*).

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): Madam, a Government which cannot react to a serious development even after 24 hours, does not deserve to be in the chair. They have taken more than 25 hours to react. (*Interruptions*). Why are they not reacting to the question of postponement of elections?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please go back to your seats.

SHRI YASHWANT SINHA: Madam Deputy Chairman, you should have given a ruling. You have read out the request of Mr. Bharat. You should have said what are going to do about it. You received a request. What are you going to do about it? (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: We received this letter from Mr. Bhardwaj. The Secretary-General telephoned to find out at what time the statement would be made because Mrs. Alva did not give any specific time as she also did now know. Then this letter came.

आप मेरी बात सुनिए । मेरे पास यह चिट्ठी आई । अब आपको बैठना है तो साढ़े पांच बजे के बाद भी बैठ सकते हैं और बैठना तो आप निर्णय कर सकते हैं । We will adjourn the House. We can have it tomorrow.

[ ] Transliteration in Arabic Script.